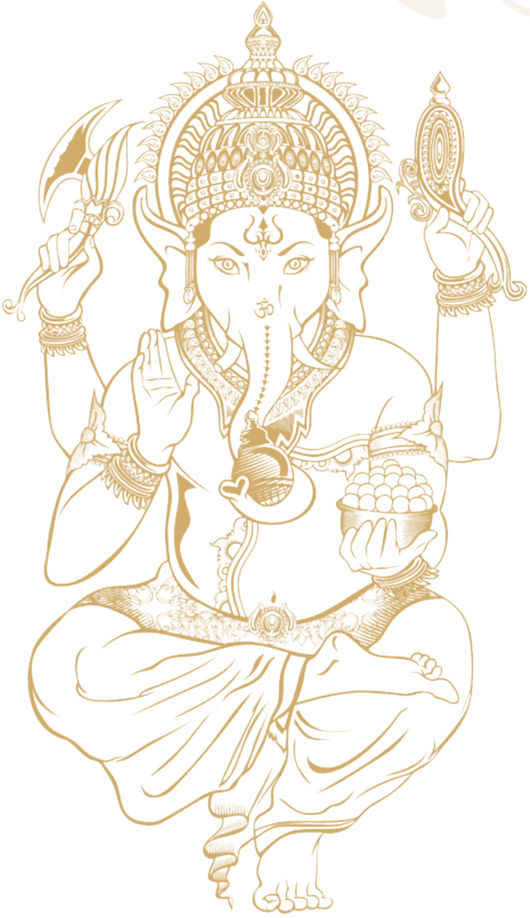

14 Oct 1971

11:14 PM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121047908

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **14/10/1971**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	: **23:14:00 घंटे**
इष्ट	: 43:04:59 घटी
स्थान	: **Sultanpur**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 26:15:00 उत्तर
रेखांश	: 82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 23:12:16 घंटे
वेलान्तर	: 00:13:48 घंटे
साम्पातिक काल	: 00:42:43 घंटे
सूर्योदय	: 06:00:00 घंटे
सूर्यास्त	: 17:35:35 घंटे
दिनमान	: 11:35:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 27:15:10 कन्या
लग्न के अंश	: 26:58:37 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	: **मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: शुभ
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: मूषक
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	26:58:37	313:00:18	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	27:15:10	00:59:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			सिंह	07:16:01	12:00:06	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			मक	25:56:36	00:23:25	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	तुला	01:35:45	01:39:41	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	11:54:41	00:11:20	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	10:00:48	01:14:46	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		वृष	12:28:35	00:02:41	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मक	18:47:19	00:02:51	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	18:47:19	00:02:51	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष			कन्या	20:55:10	00:03:46	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	07:51:35	00:01:49	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
प्लूटो			कन्या	06:52:50	00:02:09	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मीन	18:09:14	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:59

लग्न-चलित

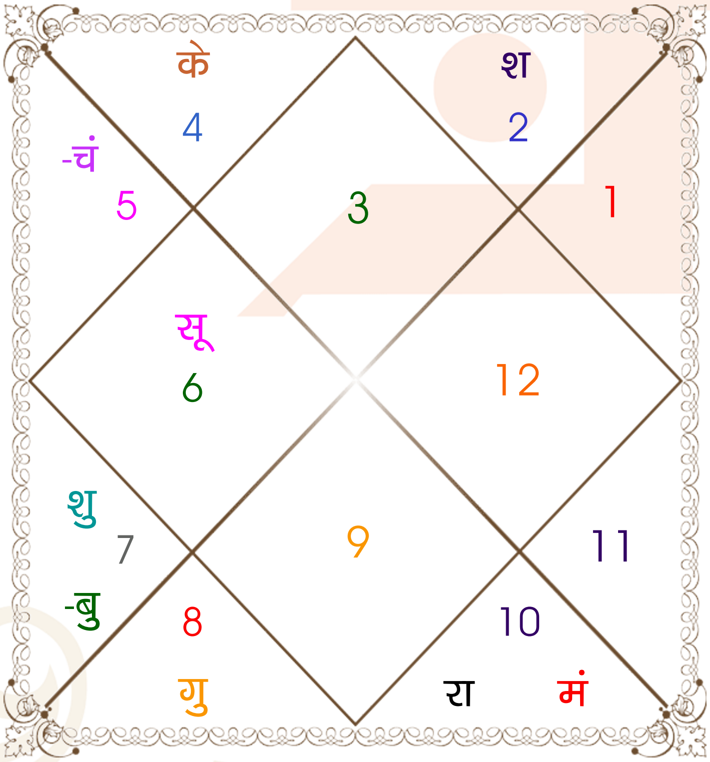

चन्द्र कुंडली

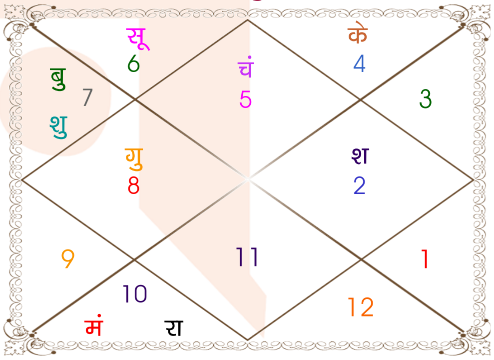

नवमांश कुंडली

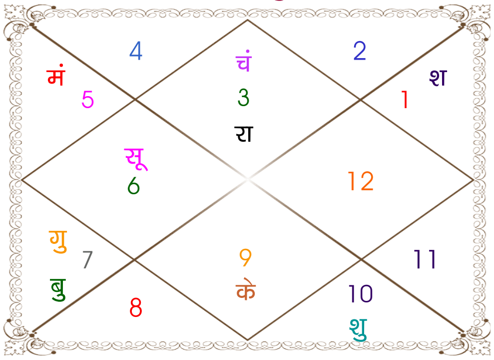

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 2 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/10/1971		21/12/1974		21/12/1994		20/12/2000		21/12/2010	
21/12/1974		21/12/1994		20/12/2000		21/12/2010		20/12/2017	
	00/00/0000	शुक्र	21/04/1978	सूर्य	09/04/1995	चंद्र	21/10/2001	मंगल	19/05/2011
	00/00/0000	सूर्य	21/04/1979	चंद्र	09/10/1995	मंगल	22/05/2002	राहु	05/06/2012
	00/00/0000	चंद्र	20/12/1980	मंगल	14/02/1996	राहु	21/11/2003	गुरु	12/05/2013
	00/00/0000	मंगल	19/02/1982	राहु	07/01/1997	गुरु	22/03/2005	शनि	21/06/2014
	14/10/1971	राहु	19/02/1985	गुरु	27/10/1997	शनि	21/10/2006	बुध	18/06/2015
राहु	09/12/1971	गुरु	21/10/1987	शनि	09/10/1998	बुध	21/03/2008	केतु	14/11/2015
गुरु	14/11/1972	शनि	21/12/1990	बुध	15/08/1999	केतु	20/10/2008	शुक्र	14/01/2017
शनि	24/12/1973	बुध	21/10/1993	केतु	21/12/1999	शुक्र	21/06/2010	सूर्य	21/05/2017
बुध	21/12/1974	केतु	21/12/1994	शुक्र	20/12/2000	सूर्य	21/12/2010	चंद्र	20/12/2017

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/12/2017		21/12/2035		21/12/2051		21/12/2070		21/12/2087	
21/12/2035		21/12/2051		21/12/2070		21/12/2087		00/00/0000	
राहु	02/09/2020	गुरु	07/02/2038	शनि	24/12/2054	बुध	18/05/2073	केतु	18/05/2088
गुरु	26/01/2023	शनि	20/08/2040	बुध	02/09/2057	केतु	16/05/2074	शुक्र	18/07/2089
शनि	02/12/2025	बुध	26/11/2042	केतु	12/10/2058	शुक्र	15/03/2077	सूर्य	23/11/2089
बुध	21/06/2028	केतु	02/11/2043	शुक्र	11/12/2061	सूर्य	20/01/2078	चंद्र	24/06/2090
केतु	09/07/2029	शुक्र	03/07/2046	सूर्य	23/11/2062	चंद्र	21/06/2079	मंगल	20/11/2090
शुक्र	09/07/2032	सूर्य	21/04/2047	चंद्र	24/06/2064	मंगल	18/06/2080	राहु	14/10/2091
सूर्य	03/06/2033	चंद्र	20/08/2048	मंगल	02/08/2065	राहु	05/01/2083		00/00/0000
चंद्र	02/12/2034	मंगल	27/07/2049	राहु	08/06/2068	गुरु	12/04/2085		00/00/0000
मंगल	21/12/2035	राहु	21/12/2051	गुरु	21/12/2070	शनि	21/12/2087		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 2 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।